बिहार सरकार • शिक्षा विभाग

पठन पर्व

"हर दिन कहानी, हर बच्चे की जुबानी"

प्रारंभिक विद्यालयों में पठन कौशल का एक अनूठा उत्सव

१ जुलाई — ७ जुलाई २०२६

https://teachersofbihar.org/

५ सफल वर्ष: एक नई उड़ान का समय

मिशन निपुण बिहार की नींव

राज्य के कक्षा 1 से 3 तक के बच्चों में बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान (FLN) सुनिश्चित करने का निरंतर प्रयास।

५वीं वर्षगांठ का अवसर

इस जुलाई, मिशन निपुण के ५ वर्ष पूरे होने पर उपलब्धियों को एक नवाचारी तरीके से मनाने का निर्णय।

धाराप्रवाह पठन (Fluent Reading)

कक्षा 2 के बच्चों में धाराप्रवाह पढ़ने की दक्षता एवं अधिगम को एक उत्सव का रूप देना।

https://teachersofbihar.org/

पठन पर्व की रूपरेखा: स्वर्णिम १५ मिनट

लक्षित समूह

कक्षा 2 के सभी बच्चे।

नियत समय

प्रतिदिन प्रात: 10:00 बजे।

अवधि व स्वरूप

15 मिनट तक कहानी, कविता अथवा अनुच्छेद का जोर-जोर से वाचन।

भाषा विकल्प

बच्चे की पसंद: हिंदी, उर्दू, बांग्ला, मैथिली या अंग्रेजी।

https://teachersofbihar.org/

विद्यालय में आयोजन: सामग्री और सहयोग

शिक्षक द्वारा चयन

शिक्षक आयु एवं कक्षा के अनुरूप उपयुक्त कहानी, कविता अथवा अनुच्छेद तय करेंगे।

समृद्ध स्रोत

पठन सामग्री केवल पाठ्य पुस्तकों तक सीमित नहीं होगी; विद्यालय के पुस्तकालय (Library) का भी उपयोग किया जाएगा।

सहपाठी सहयोग

उच्चतर कक्षाओं के बच्चे, आवश्यकतानुसार, छोटे बच्चों को वाचन में सहायता प्रदान करेंगे।

https://teachersofbihar.org/

दोहरे स्तर पर सहभागिता: कोई भी बच्चा छूटे नहीं

विद्यालय में उपस्थित बच्चे

- ✓ शिक्षक के मार्गदर्शन में सामूहिक पठन।
- ✓ पुस्तकालय और पाठ्य पुस्तकों का सीधा उपयोग।
- ✓ सीनियर छात्रों का सीधा सहयोग।

अनुपस्थित बच्चे (घर पर)

- ✓ घर से सहभागिता की विशेष व्यवस्था।
- ✓ अभिभावकों के मोबाइल पर व्हाट्सएप के माध्यम से पाठ्य सामग्री की प्रेषणी।
- ✓ अभिभावकों के लिए पठन सामग्री के साथ स्पष्ट निर्देश।

https://teachersofbihar.org/

डिजिटल सहभागिता: अभिभावकों की अहम भूमिका

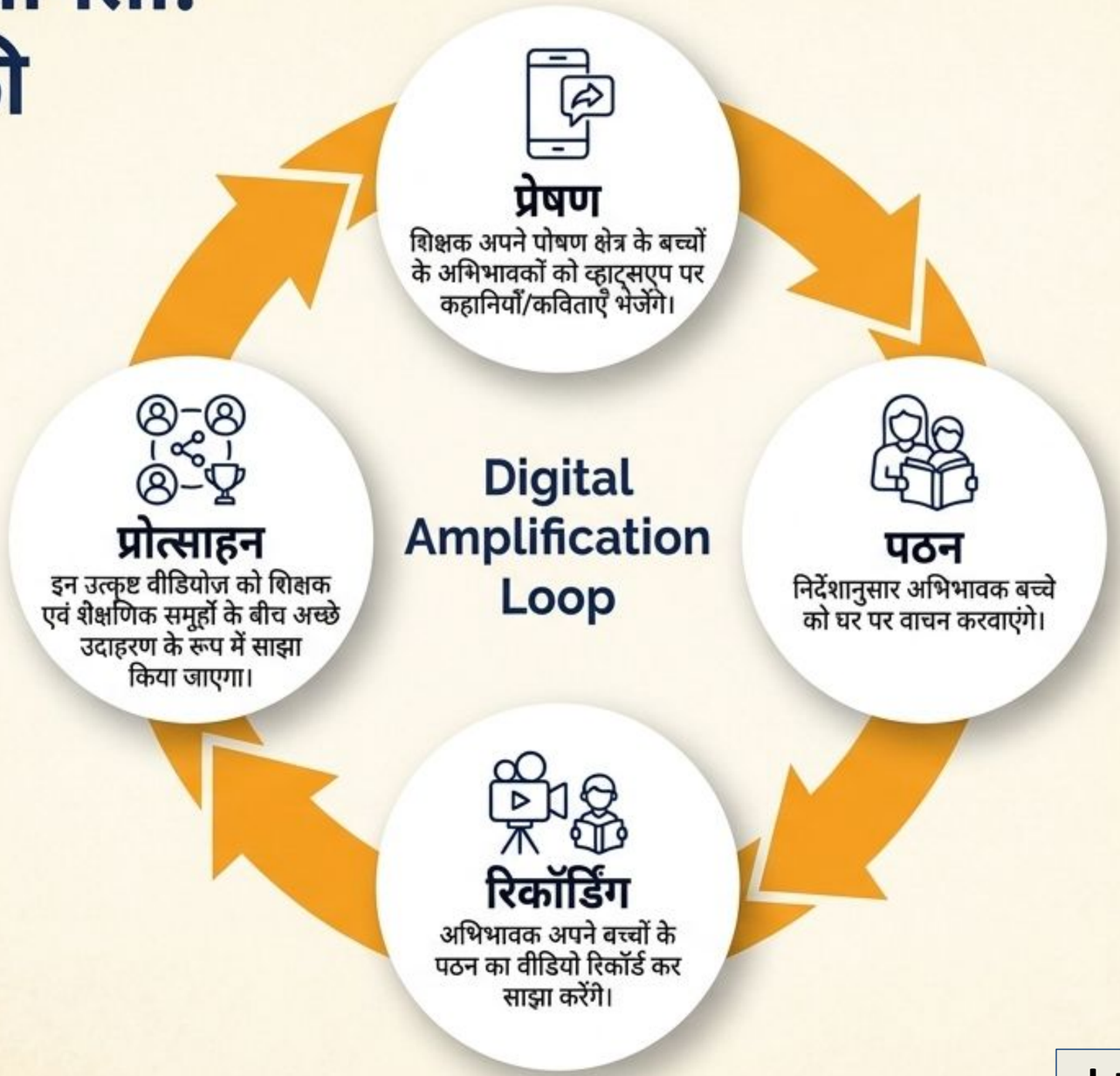

https://teachersofbihar.org/

व्यापक प्रचार-प्रसार और जन-सहभागिता

Concentric Network Map

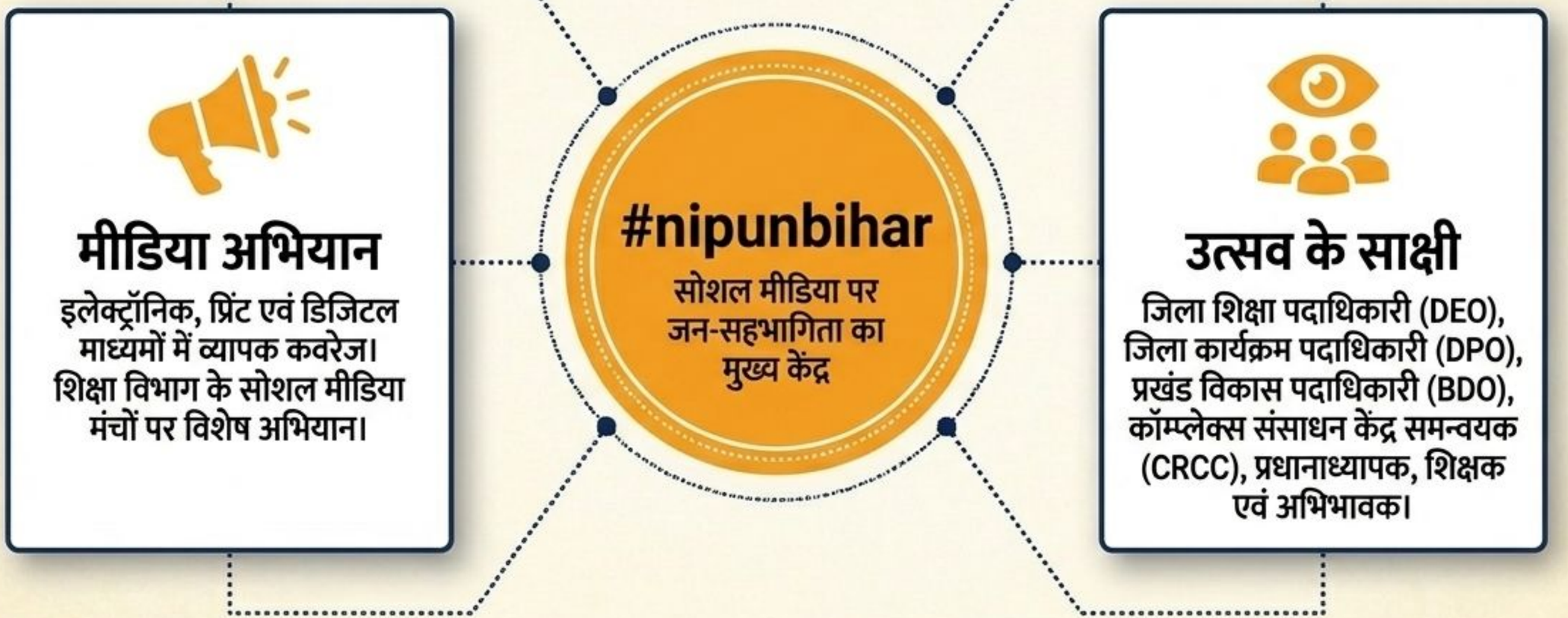

आइए, ‘पठन पर्व’ को एक ऐतिहासिक सफलता बनाएं

अपने जिले और विद्यालय के हर बच्चे में पठन की ललक जगाएं।
यह केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि बिहार के भविष्य को साक्षर
और सशक्त बनाने का उत्सव है।

आयोजन तिथियाँ:
१ जुलाई २०२६ — ७ जुलाई २०२६

समय:
प्रतिदिन प्रातः १०:०० बजे

“हर दिन कहानी, हर बच्चे की जुबानी”

https://teachersofbihar.org/